अंक योजना

अभ्यास प्रश्न पत्र 1 (2020-2021)

इतिहास (027)

कक्षा-XII

	खंड क	
1.	b) हड़प्पा Theme 1 page12	**1**
2.	डॉक्टर भीमराव अंबेडकर Theme 15 page 409	**1**
3.	b) जैन धर्म के अनुसार कर्म के चक्र से मुक्ति के लिए त्याग और तपस्या की जरूरत होती है। Theme 4 page 88	**1**
4.	ब्राह्मण क्षत्रिय ,वैश्य ,शुद्र Theme 3 page 61	**1**
5.	बुद्ध के प्रथम प्रवचन का Theme 4 page 100 **केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए:** b) धर्मचक्र Theme 4 page 100	**1**
6.	कन्या का दान बहुमूल्य वस्त्रों और अलंकारों से विभूषित कर उसे वेदज्ञ वर को दान देना जिसे पिता ने स्वयं आमंत्रित किया हो। Theme 3 page 58	**1**
7.	a) I, II, III Theme 6 page 143	**1**
8.	मलिक मोहम्मद जायसी Theme 6 page 167	**1**
9.	c) समुद्री व्यापार को शाही प्रोत्साहन दिया जाता था Theme 7 page 172	**1**
10.	a) अमर नायक : सैनिक कमांडर Theme 7 page 175	**1**
11.	अकबर ने अपने साम्राज्य में 1563 तीर्थ यात्रा कर और 1564 जजिया कर को समाप्त कर दिया । (कोई अन्य मान्य बिन्दु) Theme 9 page 234	**1**

12.	फर्जी Theme 10 page 262	**1**
13.	बादशाह प्रजा के चार सत्वो- जीवन, धन ,सम्मान और विश्वास की रक्षा करता था । Theme 9 page 234	**1**
14.	d) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही है और कारण(R) कथन(A) का स्पष्टीकरण है। Theme 10 page 261	**1**
15.	हरिजन Theme 13 page 367	**1**
16.	रिलीफ् ऑफ लखनऊ नामक चित्र टॉमस जॉन्स बार्कर ने बनाया था Theme 11 page 308	**1**
	खंड ख	
17	1) a) चक्रदास द्वारा 2) b) धार्मिक प्रतिष्ठा पाने के लिए 3) a) वह भूभाग जो एक ब्राह्मण को दान में दिया गया हो। 4) c) (a) और (b) दोनों सत्य है। Theme 2 page 41	
18	1) c) 11000 sq.ft. 2) d) उपरोक्त सभी 3) c) यह केवल मनोरंजन के लिए थे। 4) c) लकड़ी Theme 7 page 180 **केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए:** **1)** b) जहाँआरा और रोशनारा की वार्षिक आय बहुत अधिक थी। **2)** b) गुलाम हिजड़ों ने उनके लिए एजेंट के रूप में काम किया। **3)** c) उसने शाहजहाँनाबाद में कई वास्तुकला परियोजनाओं में हिस्सा लिया। a) c) केवल (iii) और (iv) Theme 9 page 242	
19	1) b) कुशासन का आरोप लगाकर 2) d) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही है और कारण(R) कथन(A) का स्पष्टीकरण देता है। 3) d) 1856 ईस्वी में 4) (a) और (b) दोनों सही है। Theme 11 page 296	
20.	1) इस साल में ईरान में जरथुस्त्र,चीन में ,यूनान में सुकरात, अरस्तु और भारत में	**3**

	महावीर ,बुद्ध व अन्य चिंतकों का उद्भव हुआ। 2) उन्होंने जीवन के रहस्यों को समझने का प्रयास किया साथ ही साथ भी इंसानों और विश्व व्यवस्था के बीच रिश्तो को समझने का प्रयास कर रहे थे। 3) यही वह समय था जब गंगा घाटी में नए राज्य व शहर उभर रहे थे सामाजिक तथा आर्थिक जीवन में कई तरह के बदलाव आ रहे थे। 4) यह मनीषी जैसे बुद्धू, महावीर ने वेदों के प्रभुत्व पर प्रश्न उठाए ।उन्होंने यह भी माना कि जीवन के दुखों की मुक्ति का प्रयास हर व्यक्ति स्वयं कर सकता है । 5) ब्राह्मणवाद के लिंग तथा जाति के भेदभाव का विरोध किया । 6) लोहे का प्रयोग 7) महाजनपदों और मौर्य साम्राज्य का उभरना। 8) कोई अन्य मान्य बिन्दु (कोई 3 बिंदु) Theme 4 page 84	
21.	1) 16वी तथा 17वीं शताब्दी में राजधानियां तेजी से स्थानांतरित होने लगी । 2) बाबर-आगरा पर अधिकार तथापि उसके शासन के 4 वर्षों में दरबार भिन्न-भिन्न स्थानों पर लगाए जाते थे जहाँ आर्थिक गतिविधियाँ तेज़ हो जाती। 3) अकबर- 1560 में लाल बलुआ पत्थर से आगरा में लाल किले का निर्माण कराया गया । 4) 1570 में फतेहपुर सीकरी जो अजमेर जाने वाली सीधी सड़क पर स्थित। 5) शाहजहां- 1648 दिल्ली में लाल किले का निर्माण कराया तथा राजधानी शाहजहांनाबाद (दिल्ली) स्थानांतरित की जो ,विशाल एवं भव्य राजतंत्र की कल्पना को व्यक्त करती थी । 6) कोई अन्य मान्य बिन्दु (कोई तीन बिन्दु) Theme 9 page 236	
22.	सूर्यास्त विधि के अनुसार यदि निश्चित तारीख को सूर्य के अस्त होने तक राजस्व का भुगतान नहीं आता था तो जमींदारी को नीलाम किया जा सकता था । जमींदार राजस्व राशि के भुगतान में चूक जाते थे क्योंकि: 1) प्रारंभिक मांगे बहुत ज्यादा थी । 2) जमींदारों की शक्ति केवल राजस्व इकट्ठा करने व उसके प्रबंध तक ही सीमित थी । 3) फसल अच्छी हो या खराब राजस्व का ठीक समय पर भुगतान जरूरी था 4) जोतदार भी किसानों को समय पर राजस्व जमा नहीं करने के लिए उकसाते थे ।	1+2

	5) कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 10 page 261	
23.	1) गांधी जी ने 1920 में असहयोग आंदोलन की शुरुआत की । रोलेक्ट सत्याग्रह की सफलता ,जालियांवाला बाग की घटना और अंग्रेजों की वादा खिलाफी ने गांधी जी को असहयोग आंदोलन करने को प्रेरित किया । असहयोग आंदोलन के साथ ही खिलाफत आंदोलन को समर्थन देकर हिंदू मुस्लिम एकता पर बल दिया गया था । 2) असहयोग आंदोलन में छात्रों ,शिक्षकों ,वकीलों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ।सरकारी संस्थाओं का परित्याग किया गया । 3) इस प्रतिरोध में ग्रामीण जनता भी शामिल थी । किसानों ने अंग्रेज सरकार को कर चुकाना बंद कर दिया । 4) मजदूरों द्वारा कारखानों में हड़ताल तथा वन वासियों द्वारा वन कानूनों का उल्लंघन किया गया । 5) इसमें विदेशी माल का बहिष्कार भी शामिल था जिससे स्वदेशी को बढ़ावा मिल सके 6) कोई अन्य मान्यबिन्दु Theme 13 page 349	**1+2**
24	1) हड़प्पा समाज में जटिल निर्णय लेने और उन्हें लागू करने के संकेत मिलते हैं । 2) उदाहरण के लिए हड़प्पाई पूरा वस्तुओं में असाधारण एकरूपता पाई जाती है यह बात मृदभांड,बांटो तथा ईटों से स्पष्ट है । 3) जम्मू से लेकर गुजरात तक पूरे क्षेत्र में प्रयुक्त ईंटें समान अनुपात की थी । 4) विशाल दीवारों और चबूतरो के निर्माण के लिए श्रमिकों को संगठित किया गया । 5) यह सभी कार्य बिना किसी सत्ता के संभव नहीं लगते हैं। 6) मोहनजोदड़ो में मिले एक विशाल भवन को एक प्रसाद कहा गया लेकिन इससे संबंधित कोई भव्य वस्तुएं नहीं मिली हैं । 7) एक पत्थर की मूर्ति को पुरोहित राजा की संज्ञा दी गई थी तथा यह नाम वर्तमान समय में भी प्रचलित है । 8) हड़प्पा सभ्यता की अनुष्ठानिक प्रथाएं अभी तक ठीक प्रकार से नहीं समझी जा सकी हैं। 9) हमारे पास यह जानने के साधन उपलब्ध नहीं है कि क्या जो लोग इस अनुष्ठानों का निष्पादन करते थे उन्ही के पास राजनीतिक सत्ता होती थी । 10) कुछ पुरातात्विक मानते हैं कि हड़प्पा समाज में शासक नहीं थे तथा सभी की सामाजिक स्थिति एक समान थी। 11) दूसरे पुरातत्वविद मानते हैं कि यहां एक नहीं बल्कि कई शासक थे जैसे हड़प्पा और मोहनजोदड़ो आदि के अपने शासक होते थे।	**8**

	12) कोई अन्य मान्य बिन्दु (समग्रता में मूल्यांकन) Theme 1 page 16 **अथवा** 1) आरंभिक पुरातत्वविदों को कुछ वस्तुएं, जो असामान्य और अपरिचित लगती थी संभवत: धार्मिक महत्व की होती थी । 2) इनमें आभूषणों से लदी हुई नारी ,मिट्टी की मूर्तियां जिनमें से कुछ के शीर्ष पर विस्तृत प्रसाधन शामिल हैं ,इन्हें मात्र देवियों की संज्ञा दी गई थी। 3) पुरुषों की दुर्लभ पत्थर से बनी मूर्तियां जिनमें उन्हें एक लगभग मानक की मुद्रा में एक हाथ घुटने पर रखा , बैठा गया था जैसा कि पुरोहित राजा को भी इसी प्रकार वर्गीकृत किया गया था। 4) संरचनाओं को अनुष्ठानिक माना गया है । इसमें विशाल स्नानागार तथा कालीबंगा और लोथल से मिली वेदियाँ सम्मिलित हैं। 5) मुहरों , जिसमें से कुछ पर संभवतः अनुष्ठान के दृश्य बने हैं, के परीक्षण से धार्मिक आस्था और प्रथाओं को पुनर्निर्मित करने का प्रयास भी किया गया है। 6) कुछ अन्य जिन पर पेड़ पौधे उत्कीर्ण है ,मान्यतानुसार प्रकृति की पूजा के संकेत देते हैं। 7) मुहरों पर बनाए गए कुछ जानवर जैसे कि एक सिंह वाला जानवर जिसे आमतौर पर एकश्रृंगी कहा जाता है कल्पित तथा संश्लिष्ट लगते हैं। 8) कुछ मोहरों पर एक आकृति जिसे पालथी मारकर योगी की मुद्रा में बैठा दिखाया गया है और कभी-कभी जिसे जानवरों से घिरा दर्शाया गया है को आद्य शिव, हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में एक का आरंभिक रूप की संज्ञा दी गई है । 9) शंकु आकार वस्तुओं को लिंग के रूप में वर्गीकृत किया गया है। 10)हड़प्पा सभ्यता में धार्मिक पुनर्निर्माण अनुमान के आधार पर किए गए हैं क्योंकि अधिकांश पुरातत्वविद ज्ञात से अज्ञात की ओर बढ़ते हैं अर्थात वर्तमान से अतीत की ओर। हालांकि यह नीति पत्थर की चक्की तत्वों के संबंध में युक्तिसंगत हो सकती है लेकिन धार्मिक प्रतिमानों के संदर्भ में यह अधिक संदिग्ध रहती है । 11)कोई अन्य मान्य बिन्दु (समग्रता में मूल्यांकन) Theme 1 Page 23	**8**
25	1) कबीर लगभग चौदहवीं-पंद्रहवीं शताब्दी में उभरने वाले संत कवियों में अप्रतिम थे। 2) 19 वीं शताब्दी में कबीर के पद संग्रहों को कबीर की मृत्यु के बाद संकलित किया गया और बंगाल, गुजरात और महाराष्ट्र में मुद्रांकित किया गया। 3) कबीरदास जी के आध्यात्मिक गुरु रामानंद जी थे परन्तु कबीर दास जी के पदों में	**8**

गुरु सतगुरु शब्द का प्रयोग किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं किया गया है।

4) कबीर की बानी तीन विशिष्ट किन्तु परस्पर व्याप्त परिपाटियों में संकलित है- आदिग्रन्थ साहिब, कबीर ग्रंथावली और कबीर बीजक
5) कबीर की रचनाएँ अनेक भाषाओँ तथा बोलियों में संकलित की गईं।
6) उनकी कुछ रचनाओं को 'उलटबांसी' (उलटी कही उक्तियाँ) के नाम से जाना जाता है, जो रोजमर्रा के अर्थ को पलट देती है। ये परम सत्य के स्वरुप को समझने की मुश्किल को दर्शाता है: जैसे केवल ज फूल्या फूल बिना और समंदरी लगी आगि
7) शब्द, और शून्य - यह योगी परंपरा से ली गई है।
8) वेदांत दर्शन से प्रभावित हो वे सत्य को अलख (अदृश्य), निराकार, ब्रहमन और आत्मन कहकर भी सम्बोधित करते है।
9) कुछ कविताओं में इस्लामी दर्शन के एकेश्वरवाद का समर्थन और मूर्तिपूजा का विरोध करते हुए हिन्दू धर्म के बहुदेववाद तथा मूर्तिपूजा का खंडन किया गया है
10) इस्लामी दर्शन की तरह वे सत्य को अल्लाह, ख़ुदा, हज़रत और पीर कहते है
11) अन्य कविताओं में ज़िक्र तथा इश्क़ जैसे सूफ़ी सिद्धांतों का प्रयोग नाम सिमरन की हिन्दू परंपरा को अभिव्यक्त करने के लिए किया गया।
12) समय की सीमा को पार करते हुए, उनकी रचनाएँ आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी कि जब लिखी गई थीं।
13) धर्म के प्रति उनका एक धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण था।
14) सामाजिक समानता के प्रति कबीर का स्पष्ट दृष्टिकोण था। उन्होंने समाज में भेदभाव को समाप्त करने के लिए जागरूकता पैदा की।
15) कबीर की समृद्ध परंपरा इस तथ्य की द्योतक है की कबीर पहले और आज भी उन लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है जो सत्य की खोज में रूढ़िवादी, धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं, विचारों और व्यवहारों को सामाजिक दृष्टि से देखते है।
16) कोई अन्य मान्य बिन्दु

(समग्रता से मूल्यांकन)

4+4

Theme 6 page 160

अथवा

<u>इस्लाम का भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग बनना:</u>

1) 711 ईस्वी में मुहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर विजय प्राप्त की।
2) 13 वीं शताब्दी में दिल्ली सल्तनत की स्थापना के बाद राजपूत राज्यों की पराजय हुई तथा भारतीय उपमहाद्वीप में इस्लाम का उदय हुआ।
3) काल-क्रमानुसार बदलाव के फलस्वरूप धार्मिक आस्थाओं व सांस्कृतिक सरोकारों पर प्रभाव पड़ा।

	4) अरब व्यापारी उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भागों में बस गए। 5) दक्कन और उपमहाद्वीप के अन्य हिस्सों में सल्तनतों का गठन हुआ। 6) क्षेत्रीय राज्यों में भी इस्लाम, शासकों का एक स्वीकृत धर्म बना रहा। <u>नए शासकों का अपनी प्रजा के साथ तालमेल बिठाना:</u> 1) तीर्थयात्रा कर (तीर्थयात्रा के लिए गैर मुस्लिमों द्वारा भुगतान किया गया कर) तथा जज़िया (गैर-मुस्लिमों द्वारा भुगतान किया गया कर) इस्लामी शासकों द्वारा समय समय पर भारतीय जनता पर लगाए गए। 2) इस्लामी शासकों ने जज़िया को लेने के बाद जिनकी जिम्मेदारी ली उन्हें जिम्मी कहा गया। 3) मुस्लिम शासकों को उलमा द्वारा निर्देशित शरिया के अनुसार शासन चलना होता था तो भी शासकों ने लचीली नीति अपनाई । 4) हिंदू, जैन, पारसी, ईसाई और यहूदी धार्मिक संस्थाओं को इस्लामी शासकों द्वारा अनुदान भी दिए जाते थे। 5) अकबर और औरंगजेब नें गैर-मुस्लिम धार्मिक नेताओं के प्रति सम्मान और भक्ति भी व्यक्त की। 6) उपमहाद्वीप में इस्लाम विभिन्न सामाजिक स्तरों के बीच दूर-दूर तक फैला हुआ था। 7) कोई अन्य मान्य बिन्दु page - 148 Theme - 6	
26	लोग अफवाहों पर विश्वास करते थे तो इससे उनकी मानसिकता का पता चलता था कि उनके दिमाग में इस प्रकार का डर और संदेह था अगर 1857 के विद्रोह के समय को ध्यान से अध्ययन करें तो लोगों के मस्तिष्क में डर के कारणों का पता चल सकता है यह कारण निम्नलिखित है- 1) लॉर्ड विलियम बेंटिक की नीतियां- लॉर्ड विलियम बेंटिक के समय ब्रिटिश सरकार ने पश्चिमी शिक्षा, पश्चिमी विचारों, और पश्चिमी संस्थाओं के द्वारा भारतीय समाज को सुधारने के लिए विशेष नीतियां 2) 1829 में सती प्रथा का अंत और 1856 में विधवा विवाह को वैधता प्रदान करना 3) लॉर्ड डलहौजी ने अधिग्रहण की नीति के अंतर्गत कई रियासतों के शासकों- झांसी, सतारा- को दत्तक पुत्र लेने की अनुमति नहीं दी उनको ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया । 4) अपने साम्राज्य में मिलाए गए क्षेत्रों में अंग्रेज अपने ढंग की शासन व्यवस्था, अपने	

कानून व न्याय पद्धति, लागू करते थे इन कार्यवाहियों का भारतीय लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ा ।

5) अवध का विलय- लॉर्ड डलहौजी ने प्रशासन का आरोप लगाकर अवध का विलय किया नवाब वाजिद अली शाह जो कि लोगों में लोकप्रिय थे , को कोलकाता भेज दिया
6) अंग्रेजों की नीतियों के कारण जनता में आक्रोश व संदेह था उनका विचार था कि अंग्रेज भारतीयों का धर्म नष्ट करने पर तुले हुए हैं और एक ऐसी व्यवस्था लागू करना चाहते हैं जो दमनकारी थी।
7) अंग्रेज अफसरों द्वारा भारतीय सिपाहियों के संग दुर्व्यवहार
8) संदेह की इन्ही परिस्थितियों में एनफ़ील्ड राइफल्स और चर्बी वाले कारतूसों की घटना थी जिसमें अंग्रेजों के प्रयत्न करने पर भी सिपाहियों ने उन पर विश्वास नहीं किया और सही संदेह और अविश्वास 1857 के सैनिक विद्रोह का तात्कालिक कारण बना।
9) कोई अन्य मान्य बिन्दु

Theme 11 page 299-300

अथवा

1) अंग्रेजों और भारतीयों द्वारा विद्रोह की कई तस्वीरें- पेंसिल से बने रेखा, स्क्रीन चित्र, पोस्टर कार्टून आदि बनाए थे इनसे विद्रोह की निम्नलिखित छवियों का ज्ञान होता है।
2) चित्रों में ब्रिटिश रक्षकों का अभिनंदन या अंग्रेज नायकों का गुणगान किया गया है।
3) टॉमस जोन्स बार्कर द्वारा बनाया गया चित्र 'द रिलीफ ऑफ लखनऊ' में कैंपबेल के आगमन पर जश्न मनाने का दृश्य है जो यह दर्शाता है कि ब्रिटिश सत्ता और नियंत्रण स्थापित हो चुका था।
4) कुछ चित्रों में विद्रोह के दौरान अंग्रेजों की दुर्दशा को दर्शाया गया है, जैसे जोसेफ नोएल पेटन ने 'इन मेमोरियम' चित्र में विद्रोहियों की हिंसा व बर्बरता का प्रदर्शन है इसके अतिरिक्त कुछ चित्र, जैसे मिस व्हीलर का विद्रोहियों का सामना करते हुए चित्र, जिसमें धरती पर बाइबल पड़ी है- अंग्रेज औरतों के संघर्ष का चित्रण है धर्म की रक्षा का संघर्ष साबित करता है।
5) इन चित्रों में अंग्रेजों द्वारा विद्रोहियों से प्रतिशोध की भावना और उनको सबक सिखाने की भावना पनपती है जैसे एक हाथ में तलवार और दूसरे हाथ में ढाल दिए हुए महिला का आक्रामक रूप में चित्र, पेशावर में विद्रोहियों को मृत्युदंड- तोप से उड़ा ते हुए चित्र प्रदर्शित करते हैं।
6) विद्रोहियों को निर्मम तरीके से मौत के घाट उतारना या खुलेआम फांसी पर लटकाना जैसे चित्र लोगों में दहशत या डर फैलाने के लिए पत्र-पत्रिकाओं के द्वारा

	विभिन्न स्थानों पर भेजे गए । 7) कैनिंग को एक भव्य नेक वृद्ध के रूप में दर्शा कर उसका मजाक उड़ाया गया है इस से तात्पर्य है कि प्रतिशोध की आग में दया का कोई स्थान नहीं है और विद्रोहियों से शक्ति का व्यवहार किया जाना चाहिए । 8) राष्ट्रवादी दृश्य कल्पना- विद्रोह को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में भी दिखाया गया, जैसे लक्ष्मीबाई विदेशी शासन के विरोध का प्रतीक थी । 9) ये तस्वीरें अपने समय की भावनाओं, अहसासों और संवेदनाओं को प्रतिबिम्बित कर रही थी। 10) कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 11 Page 307	
	खंड ड	
27 **27.1** **27.2** **27.3**	द्रौपदी के प्रश्न द्रौपदी ने यह प्रश्न किया था कि द्रौपदी को दांव पर लगाने से पहले क्या युधिष्ठिर स्वयं को हार बैठे थे । यह प्रश्न सुनकर सभा में सभी बेचैन हो गए क्योंकि किसी के पास भी इसका जवाब नहीं था । द्रौपदी के प्रश्न ने सभा का सोच में डाल दिया और दो भिन्न मत प्रस्तुत किए गए। प्रथम- यदि युधिष्ठिर स्वयं को दांव पर लगाने के बाद भी पत्नी पर नियंत्रण रखें रह सकते थे दूसरा- दासता प्राप्त व्यक्ति किसी और को दांव पर नहीं लगा सकता प्रभाव- स्पष्ट उत्तर न होने तथा मतभेद के कारण धृतराष्ट्र ने सभी पांडवों तथा द्रौपदी को उनकी निजी स्वतंत्रता उन्हें लौटा दी । द्रौपदी के प्रश्न को प्रशंसनीय माना जाता है क्योंकि अस्मिता से जुड़ा हुआ था । इसका उत्तर न होने के कारण समस्या का हल नहीं निकाला जा सका व द्रौपदी को स्वतंत्रता मिल गई । Theme 3 page 68	1+2+2
28 **28.1** **28.2** **28.3**	वनों की कटाई व स्थाई कृषि के बारे में बुकानन ईस्ट इंडिया कंपनी का एक अधिकारी था । बुकानन ने राजमहल की पहाड़ियों में स्थित एक गांव का वर्णन किया है उसकी विशेषताएं थी - दृश्य बहुत ही आकर्षक है , घुमावदार संकरी घाटियों में धान की फसल लहलहा रही है । दूर- दूर स्थित वृक्षों के बीच साफ-सुथरी जमीन, चट्टानी पहाड़ियां अपने आप	1+2+2

	में पूर्ण हैं । भूमि निरीक्षण से बुकानन ने यह सुझाव दिया कि लकड़ी की जगह टसर और लाख के बड़े-बड़े बागान लगाए जा सकते हैं । जंगल साफ किया जा सकता है ,जहां खेती ना हो सके वहां पर पनइ , ताड़ और महुआ के पेड़ लगाकर उनसे धन कमाया जा सकता हैं । Theme 10 page 275	
29 **29.1** **29.2** **29.3**	राजा और व्यापारी कृष्णदेव राय विजय नगर का प्रसिद्ध शासक था । कृष्णदेव राय के अनुसार राज्य के उत्तरदायित्व - राजा को अपने बंदरगाह सुधारने चाहिए और वाणिज्य को प्रोत्साहित करना चाहिए। राजा द्वारा अपने देश की परिस्थितियों को सुधारने के लिए व्यापार ,वाणिज्य को प्रोत्साहन देना चाहिए , बंदरगाहों को सुधारना, व्यापारियों की उचित देखभाल करनी चाहिए जिससे विदेशी नागरिकों के साथ उनके मधुर संबंध बनेंगे ,मैत्री बढ़ेगी, तोहफे देने से मधुरता आएगी और ऐसा करने से उनकी चीजें दुश्मनों तक नहीं पहुंच पाएंगी । Theme 7 page 173	1+2+2
30 **30.1)**	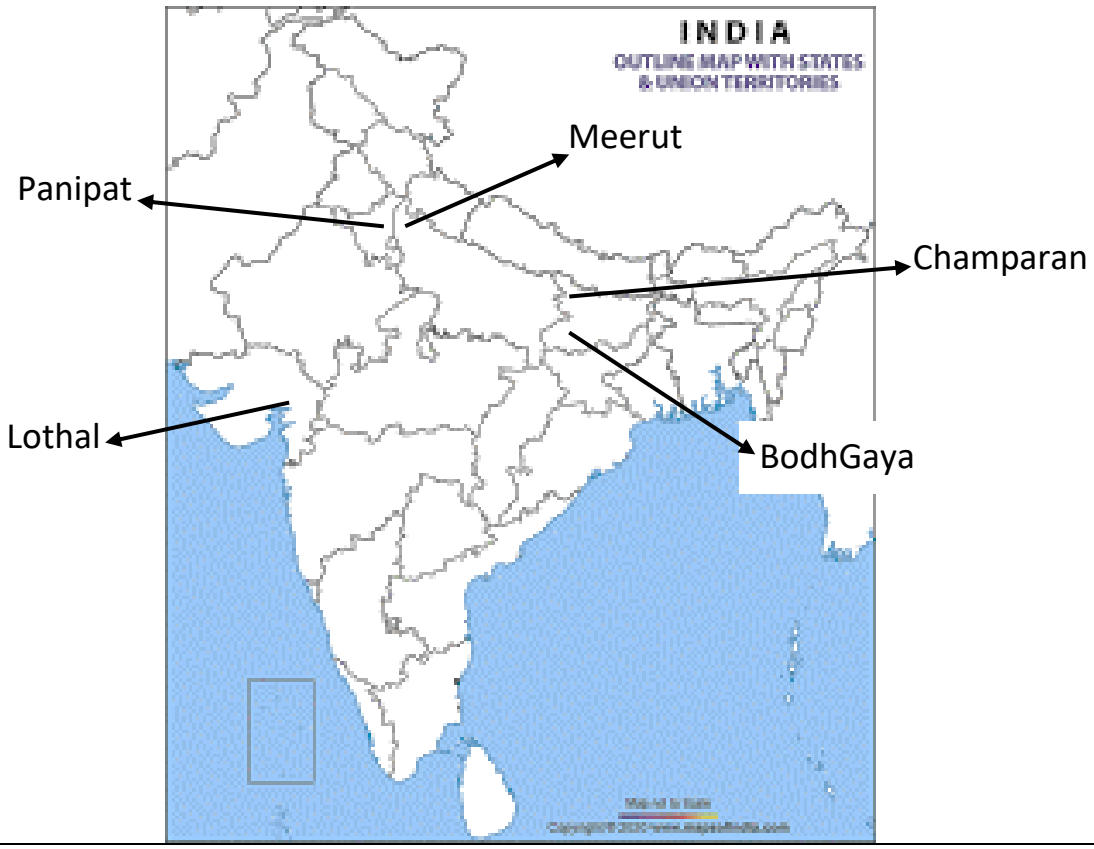	1+1+1

30.2	A) अमृतसर B) बॉम्बे **केवल दृष्टिबाधितों के लिए:** 30.1) हड़प्पा, कालीबंगा, लोथल (अन्य प्रासंगिक स्थल भी मान्य) अथवा सांची,अमरावती,नागार्जुनकोंडा (अन्य प्रासंगिक स्थल भी मान्य) 30.2) मेरठ,दिल्ली (अन्य प्रासंगिक स्थल भी मान्य)	1+1